COTTON TEXTILE INDUSTRY

सूती वस्त्र उद्योग

LECTURE 3

डा. निसार अहमद

भूगोल बिभाग
राम चरित्र सिंह कॉलेज

Mobile No. : 9258408868
Email address: ahmednisaramu@gmail.com

अनुकूल जलवायु:- शुष्क जलवायु में धागा बार बार टूटता रहता है जिससे सूत काटने तथा कपड़ा बुनने में बड़ी कठिनाई आती है। अतः इसके लिए आद्र जलवायु तथा समुद्री समीर उपयुक्त होती है।यही कारण है कि अधिकांश सूती वस्त्र उद्योग समुंद्र के निकट या आद्र जलवायु वाले क्षेत्रों में स्थापित किए जाते हैं।आजकल शुष्क जलवायु वाले इलाकों में कृत्रिम आद्रीकरण से भी यह उद्योग चलाया जाता है, परंतु इस पर व्यय अधिक होता है। अनुकूल जलवायु के कारण ही ब्रिटेन, जापान, रूस तथा भारत के महाराष्ट्र व गुजरात में यह उद्योग उन्नति कर रहा है। इसके अतिरिक्त जलवायु का स्वास्थ्यवर्धक होना भी अनिवार्य है जिससे श्रमिकों तथा प्रबंधकों का स्वास्थ्य ठीक रहे तथा वे अधिक उत्पादन दे सकें।

श्रम :- सूती वस्त्र उद्योग में कुल उत्पादन लागत का बहुत बड़ा हिस्सा श्रम पर खर्च किया जाता है। इसलिए इस उद्योग के लिए सस्ते तथा कुशल सॉन्ग का प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होना अनिवार्य है। अनुमान है कि विश्व में सबसे अधिक श्रम वस्त्र उद्योग में लगा हुआ है। यही कारण है कि उद्योग अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों में स्थापित किया जाता है।

जलापूर्ति :- सूती वस्त्र उद्योग में वस्त्रों की धुलाई, रंगाई, छपाई, कलफ करने आदि के लिए बड़ी मात्रा में शुद्ध जल की आवश्यकता होती है। अतः यह उद्योग जल आपूर्ति के स्रोत के निकट ही स्थापित किया जाता है। सामान्यतः नदियों, तालाबों तथा नलकूप आदि से जल प्राप्त किया जा सकता है।

पूंजी :- इस उद्योग में पर्याप्त पूंजी की आवश्यकता होती है। ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका,जापान आदि देशों में इस उद्योग के विकास में पूंजी निवेश का बहुत बड़ा सहयोग रहा है। किसी भी उद्योग की स्थापना के लिए पूंजी निवेश होना अनिवार्य है।

बाजार:- यदि बाजार तथा कपास उत्पादक क्षेत्रों में अन्य कारकों की अनुकूलता एक जैसी हो तो इस उद्योग की अवस्थिति में बाजार का अधिक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि बकरे की सुविधा के साथ-साथ परिवर्तनशील मांग तथा फैशन के अनुसार उत्पादन में परिवर्तन किया जा सकता है।ब्रिटेन तथा जापान में कपास की उपज ना होते हुए भी बाजार का लाभ उठाने के लिए या उद्योग स्थापित किया गया। ब्रिटेन के भूतपूर्व उपनिवेशों में यहां का बहुत सा कपड़ा बिकता है और

जापान को दक्षिणी पूर्वी एशिया के देशों में बाजार की बहुत सुविधा मिली है। भारत, रूस तथा कुछ अन्य देशों में घरेलू खपत के कारण यह उद्योग बहुत उन्नति कर गया है।

सरकारी प्रोत्साहन :- किसी भी देश की सरकार उद्योग को प्रोत्साहन देकर उसके विकास में सहायता कर सकती है। भारत में बहुत से वस्त्र उद्योगों के विकास का श्रेय सरकार को जाता है।ब्रिटेन में राष्ट्रीय आय में वृद्धि करने के लिए सरकार ने इस उद्योग को प्रोत्साहित किया। वहां की सरकार ने अपने उपनिवेशों में सूती वस्त्रों को बाजार प्रदान करके इसकी विशेष सहायता की है।

TO BE CONTINUED…